Chhatrapati Shahu Ji Maharaj University, Kanpur

Answer Script Details
Barcode 6788991

Roll No. 23262000054
Total Mark 65/75.00

Exam BACHELOR OF ARTS_DEC-2023
Subject A310102T - BASIC FUNDAMENTAL OF TABLA

Question wise Mark Summary

Q.No	Mark	Q.No	Mark	Q.No	Mark	Q.No	Mark
1A	4/5						
1B	5/5						
1C	5/5						
1D	4/5						
1E	5/5						
1F	4/5						
1G	0/5						
1H	5/5						
1I	5/5						
2	14/15						
3	NA/15						
4	NA/15						
5	NA/15						
6	NA/15						
7	NA/15						
8	14/15						
9	NA/15						

Date of Exam 23/12/23 Shift 8 to 10am Room No. 16
Paper Code A310102T Subject Tabla Year/Sem 1st Sem
Name of Candidate Shivangi Dixit
Roll No. 2326200054

Signature of Candidate: Shivangi Dixit
Signature of Invigilator: KV
COE Facsimile

Chhatrapati Shahu Ji Maharaj University
Kanpur, Uttar Pradesh

PART-II

MARKS OBTAINED

Q.	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
(a)										
(b)										
(c)										
(d)										
(e)										
(f)										
(g)										
(h)										
(i)										
(j)										
Total										

Total Marks in Figures — Max. Marks

Total Marks in Words

A310102T
Paper Code

Signature of Evaluator

Course B.A. (Fine Arts)
Session 2023-24 Year/Semester 1st Sem
Subject Name Music Tabla
Medium English ○ Hindi ●

Paper Code
A310102T

Exam Date
23122023

Name of Candidate
SHIVANGI DIXIT

Father's Name
RAM KUMAR DIXIT

महाविद्यालय का कोड
College Code
KN015

परीक्षा केन्द्र का कोड
Exam Centre Code
KN015

परीक्षा का प्रकार
Type of Exam
संस्थागत Regular ● भूतपूर्व परीक्षार्थी Ex-Student ○
व्यक्तिगत Private ○ बैक पेपर परीक्षा Back Paper Exam ○

ANSWER BOOKLET NO.
6788991

A310102T
Paper Code

नामांकन संख्या
Enrollement Number C S J M A 230001163 62

परीक्षार्थी अनुक्रमांक संख्या Candidate's Roll Number
2326200054

पेपर कोड Paper Code
A310102T

Shivangi Dixit
Signature of Candidate

KV
Signature of Invigilator

C S Facsimile

COE Facsimile

नोट- 1. परीक्षार्थी को निर्देशित किया जाता है कि आवरण पन्ने के पृष्ठ भाग पर अंकित सभी निर्देशों को सावधानी पूर्वक पढ़ें।
2. कोष्ठक में भरी जाने वाली प्रविष्टियाँ बायीं तरफ से शुरू की जायें। 3. गोलों को काले या नीले बॉलपेन से भरा जायें।

INSTRUCTION TO THE CANDIDATE FOR FILLING PART-I

1. Read the instructions carefully given on the answer script and admit card.
2. Write Date of Exam, Shift, Paper Code & Name of Subject Correctly.
3. Write Name & Roll No. Correctly.
4. Write Semester & Branch Correctly.

INSTRUCTION TO THE CANDIDATE FOR FILLING PART-III

1. Use blue or black ball point pen for writing alphabets & numerals in ☐ boxes.
2. Carefully study the example before you start marking.
3. As shown in the example below, blacken the circles completely.

Correct Method	Incorrect Method
① ● ③ ④	✓ ✗ ◉ ④

4. Make no Stray marks on this sheet.

5. DO NOT WRITE OR MARK ON THE BAR CODE.

IN ORDER TO AVOD UFM (UNFAIR MEANS) :

1. The Roll No. and Answer Book no. found elsewhere or any other symbol found in the answer book will be treated as unfair means.
2. Any tempering of Bar Code and Booklet no shall be treated as Unfair Means.
3. Do Not bring the materials like slip of paper/mobile/digital diaries/ study material/ revision notes in examination hall. Possession of the mobiles/ digital diaries/electronic/digital/ watch and any other electronic gadget except memory less scientific calculator shall be considered as UFM case.
4. Do not keep or paste currency note in answer script it shall be consider as UFM.

अनुचित साधन से बचने हेतु :

1. उत्तर पुस्तिका के निर्देशित स्थान को छोड़कर अनुक्रमांक एवं उत्तरपुस्तिका का क्रमांक कहीं और न लिखे तथा कोई भी चिन्ह न बनायें क्योंकि यह अनुचित साधन प्रयोग की परिधि में आता है।
2. उत्तर पुस्तिका के बारकोड अथवा उत्तर पुस्तिका संख्या पर छेड़ छाड़ करने पर अनुचित साधन प्रयोग माना जायेगा।
3. परीक्षा कक्ष में निम्न वस्तुएं साथ न लायें, जैसे लिखे हुए कागज के टुकड़े, मोबाईल, डिजिटल डायरी, डिजिटल वॉच, कॉपी, पुस्तक यह सभी वस्तुएं जो अनुचित साधन के अन्तर्गत आती है। केवल संबंधित प्रश्नपत्र में ही मेमोरी लेस साइंटिफिक केल्कुलेटर ले जाने की अनुमन्यता होगी।
4. उत्तर पुस्तिकाओं में रुपये न रखें न ही उत्तर पुस्तिका में चिपकायें। ऐसा करना अनुचित साधन प्रयोग की परिधि में आता है।

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. प्रवेश पत्र एवं उत्तर पुस्तिका पर दिये गये निर्देशो को ध्यान से पढ़े।
2. कवर पृष्ठ के दूसरी तरफ कुछ न लिखें।
3. उत्तर पुस्तिका के पृष्ठो पर दोनों तरफ लिखें।
4. प्रश्न पत्र पर अपने अनुक्रमांक के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
5. प्रश्न पत्र कोड एवं प्रश्न पत्र ID सावधानी पूर्वक लिखें।
6. अपनी स्थिति स्पष्ट लिखें।
7. उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों की संख्या देखें। अगर उत्तर पुस्तिका में पृष्ठ (1-24) से कम है या फटे हुए है, तो परीक्षा शुरू होने के पूर्व दूसरी उत्तर पुस्तिका ले लें।
8. प्रश्नपत्र को देख, यदि प्रश्नपत्र के विषय कोड, विषय का नाम तथा प्रश्न में कोई त्रुटि है तो उसकी परीक्षा होने के 30 मिनट के अन्दर कक्ष निरीक्षक को तत्काल सूचित करें, उसके बाद विश्वविद्यालय द्वारा कोई का... नहीं की जायेगी।
9. प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिये पेंसिल का प्रयोग न करें।
10. बी कॉपी या अतिरिक्त शाक नहीं दिया जायेगा।

INSTRUCTION TO THE CANDIDATE

1. Read the instructions carefully given on the Question Paper, Admit Card & Answer Script.
2. Do not write anything on back side of the cover page.
3. Write on both sides of pages of answer book.
4. Do not write anything on question paper except Roll Number.
5. Write Paper Code & Question Paper Id carefully.
6. CHECK the number of pages (1-24) or any other kind of damage in your answer script, if found than change the answer script immediately before the commencement of examination.
7. CHECK the Question Paper for any kind of discrepancy e.g. Subject Code, Su... Name, and Question of the Question Paper during first THIRTY MINUTES of t... commencement of the exam, so that it can be corrected in TIME. After that no corrections shall be entertained by the university.
8. Do not use pencil for answering the question.
9. Write status correctly e.g. those appearing in carry over papers should fill in stat... as Carry Over. Those appearing as Ex- Students should fill in status as ex.
10. No supplementary answer book & graph paper will be provided.

INSTRUCTION TO THE CANDIDATE FOR FILLING PART-IV

1. Use blue or black ball point pen for writing alphabets & numerals in ☐ Boxes.
2. Use blue or black ball point pen for filling the circles.

	1	8	1	5	4	3	2	1	6	9
0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
1	●	1	●	1	1	1	1	●	1	1
2	2	2	2	2	2	2	●	2	2	2
3	3	3	3	3	3	●	3	3	3	3
4	4	4	4	4	●	4	4	4	4	4
5	5	5	5	●	5	5	5	5	5	5
6	6	6	6	6	6	6	6	6	●	6
7	7	7	7	7	7	7	7	7	7	7
8	8	●	8	8	8	8	8	8	8	8
9	9	9	9	9	9	9	9	9	9	●

Note- If your Roll No. is of 10 digits. Please leave first three columns .

*** ***

Paper Code
A 3 1 0 1 0 2 T

1

खण्ड - अ
लघु उत्तरीय प्रश्न

1 (b) ताल की प्रथम मात्रा को सम कहते हैं। ताल की वह प्रथम मात्रा जिससे ताल प्रारम्भ होती है उसे सम कहते हैं। सम पर अधिक ज़ोर दिया जाता है, जिससे उसे अन्य मात्रा से अलग पहचाना जा सके। ताल की प्रथम मात्रा पर ही सम होता है। गायन करते समय कलाकार विभिन्न बंदिशों गति है। जिसमें सम हमेशा प्रथम मात्रा से प्रारम्भ नहीं होता है परन्तु तबला वादक ताल का प्रारम्भ प्रथम मात्रा से ही करता है यद्यपि गायन में मुख सम का हमेशा प्रथम मात्रा पर नहीं होता है पर तबला वादक तबला बजाना प्रथम मात्रा से ही शुरू करता है और प्रथम मात्रा पर ही समाप्त करता है। अतः ताल की प्रथम मात्रा को सम कहते हैं।

1 (c) धमार ताल में खाली 8 वीं मात्रा पर आती। धमार ताल में 14 मात्राएँ होती हैं। धमार ताल धमार गाया जाता है तथा यह ताल तबले पर बजाई जाती है। इसमें 5 विभाग होते हैं। धमार ताल पर कई गीत भी गाये जाते हैं। गायक धमार ताल पर धमार तथा गीत गाते हैं। धमार ताल की प्रारम्भिक मात्रा पर सम अथवा ताली होती है। अतः धमार ताल को सम से प्रारम्भ करते हैं।

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code A310102T

1(e)

तबले के वर्ण

तबले के विभिन्न अंगों पर तबला बजाते समय विभिन्न उंगलियों से आघात कर ध्वनि उत्पन्न करते हैं जिससे विभिन्न प्रकार के वर्ण निकलते हैं।

तबले के वर्णों के विषय में मतभेद है। कुछ विद्वानों के मतानुसार तबले के ७ वर्ण व 8 वर्ण तथा तथा 10 वर्ण होते हैं। वर्तमान प्रचलन के अनुसार 10 वर्ण होते हैं। जो निम्न प्रकार से हैं:—

1) दाँए हाथ से उत्पन्न होने वाले वर्ण

2) बाँए हाथ से उत्पन्न होने वाले वर्ण

3) दोनों हाथ से उत्पन्न होने वाले वर्ण

1) दाँए हाथ से उत्पन्न होने वाले वर्ण:— दाँए हाथ से उत्पन्न होने वाले वर्ण इस प्रकार हैं:—

(i) ता या ना
(ii) ति या ती
(iii) दिं या धुं
(iv) तू
(v) ते
(vi) ट, ट या र

Paper Code A310102T

२) बाँए हाथ से उत्पन्न होने वाले वर्ण — बाँए हाथ से उत्पन्न होने वाले वर्ण इस प्रकार हैं —

(१) घी गि ना धे धी धि घ
(ii) के कि क ना कत्

3) दोनों हाथ से उत्पन्न होने वाले वर्ण — दोनों हाथ से उत्पन्न होने वाले वर्ण इस प्रकार हैं —

(१) धा
(ii) धिं

तबले पर वर्ण हाथ की विभिन्न उंगलियों द्वारा बजाये जाते हैं, अतः [illegible] नम्बर पता होना आवश्यक है, जो इस प्रकार है —

(1) तर्जनी (2) मध्यमा (3) अनामिका (4) कनिष्ठिका

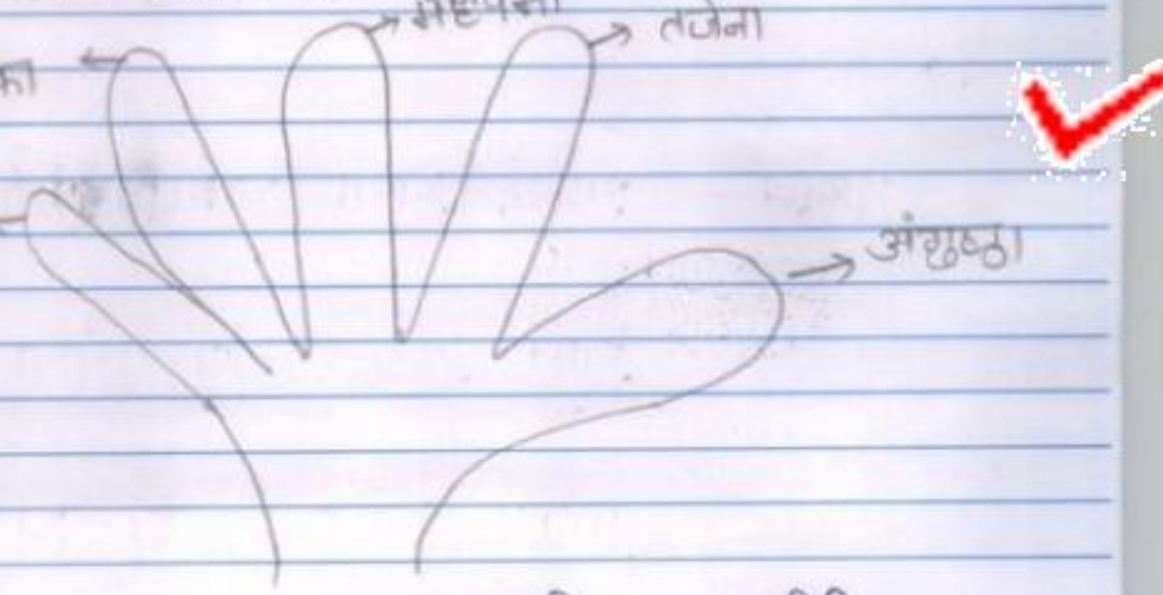

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code A310102 5

4

खण्ड – ब

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

2. तीनताल

मात्रा – 16
विभाग – 4
ताली – 1, 5, 13 पर
खाली – 9 पर

ठाह –

1	2	3	4	5	6	7	8
धा	धिं	धिं	धा	धा	धिं	धिं	धा
×				2			
9	**10**	**11**	**12**	**13**	**14**	**15**	**16**
धा	तिं	तिं	ता	ता	धिं	धिं	धा
0				3			

दुगुन –

1	2	3	4
धाधिं	धिंधा	धाधिं	धिंधा
×			
5	**6**	**7**	**8**
धातिं	तिंता	ताधिं	धिंधा
2			
9	**10**	**11**	**12**
धाधिं	धिंधा	धाधिं	धिंधा
0			

Paper Code A31010 2T

13 14 15 16
धातिं तिंता ताधिं धिंधा
3

चौगुन —
1	2	3	4
धाधिंधिंधा	धाधिंधिंधा	धातिंतिंता	ताधिंधिंधा
×			
5	6	7	8
धाधिंधिंधा	धाधिंधिंधा	धातिंतिंता	ताधिंधिंधा
2			
9	10	11	12
धाधिंधिंधा	धाधिंधिंधा	धातिंतिंता	ताधिंधिंधा
0			
13	14	15	16
धाधिंधिंधा	धाधिंधिंधा	धातिंतिंता	ताधिंधिंधा
3			

तीनताल मे छोटा ख्याल बजाया जाता है। ये छोटा ख्याल द्रुत लय मे गाया। छोटा ख्याल को द्रुत ख्याल भी कहते है।

Do Not Write anything in this Portion

खण्ड - स

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

8.

सम — ताल की प्रथम मात्रा जिससे ताल प्रारम्भ होती है उसे उस ताल का सम कहते हैं। सम सदैव ताल की प्रथम मात्रा पर होता है। सम पर अधिक जोर देते हैं जिससे उसे अलग से पहचाना जा सके। गायन करते समय गायक विभिन्न बंदिशें गाते हैं जिससे उसमें मूल सम प्रथम मात्रा पर नहीं होता है परन्तु तबला वादक ताल प्रथम मात्रा से ही शुरू करता है तथा प्रथम मात्रा पर ही समाप्त करता है। अतः ताल की प्रारम्भिक मात्रा जिससे ताल प्रारम्भ होता है उसे सम कहते हैं।

लय — संगीत में लय का अर्थ है— गति। गायन, वादन तथा नृत्य की गति को लय कहते हैं। गायन, वादन तथा नृत्य में गायन की, वादन की तथा नृत्य की जो गति होती है, उसे लय कहते हैं। लय तीन प्रकार की होती है—

(i) विलम्बित — वे [illegible] गति अधिक धीमी होती है, उसे विल[illegible]त लय कहते हैं। विलम्बित लय में बड़ा ख्याल गाया जाता है, जिसे विलम्बित ख्याल भी कहते हैं।

Paper Code A310102T

मध्य लय – वे लय जिसकी गति न अधिक धीमी न ही ज्यादा तेज होती है, बल्कि सामान्य होती है, उसे मध्य लय कहते हैं।

द्रुत लय – वे लय जिसकी गति तेज होती है, उसे द्रुत लय कहते हैं। द्रुत लय में छोटा ख्याल गाया जाता है, जिसे द्रुत ख्याल भी कहते हैं।

ताली – सम के अतिरिक्त विभाग की वह प्रारम्भिक मात्रा जिससे तबले पर आघात कर ध्वनि उत्पन्न करते हैं, उसे ताली अथवा भरी कहते हैं। जैसे – तीनताल में प्रथम मात्रा पर सम, 9 वीं मात्रा पर खाली तथा 5 वीं और 13 वीं मात्रा पर ताली आती है। इसी प्रकार झपताल में पहली मात्रा पर सम, 6 वीं मात्रा पर खाली तथा तीसरी और 8 वीं मात्रा पर ताली होती है।

उदाहरण – धा धिं धिं धा | धा धिं धिं धा |
× | 2 → ताली |

धा तिं तिं ता | ता धिं धिं धा
0 | 3 → ताली

खाली — विभाग की वह प्रारम्भिक जिस पर ताली न देकर वरन हाथ हवा में एक ओर हिला देते हैं, खाली कहते हैं खाली का स्थान ताल के बीच में होता है। जैसे- तीनताल 9वीं मात्रा पर तथा झपताल में 6 वीं मात्रा पर खाली आती है।

उदाहरण —

		खाली	
धी ना	धी धी ना	ती ना	धी धी ना
x	2	0	3

मात्रा — संगीत में लय की गति को मापने के लिए मात्रा का विशेष महत्व है। जिस प्रकार रूपये-पैसे, वजन - किलोग्राम, दूरी-लम्बाई इन सबका प्रयोग करते हैं, उसी प्रकार संगीत में मात्रा को प्रयोग करते हैं। जैसे- समय के लिए सेकेण्ड, ~~समय~~ दूरी के लिए चाल तथा वजन के लिए किलोग्राम है, उसी प्रकार संगीत के लिए मात्रा है।

ठेका — किसी भी तबले ~~की~~ ~~प्र~~ के बोल को प्रदर्शित करने के जिन वर्णों का प्रयोग करते हैं, उसे ठेका कहते हैं। जब ताल ~~के~~ तबले पर बजाई जाती है, तो गायन या वादन में जिस ताल का प्रयोग होता है, उसके बोल को ताल का ठेका कहते हैं। जैसे - ताल दादरा का ठेका इस प्रकार है —

ठेका —		
	धा धी ना	धा तू ना
	x	0

Paper Code
A 3 1 0 1 0 2 T

9

खण्ड - अ
लघु उत्तरीय प्रश्न

1 (d) रूपक ताल में प्रथम मात्रा पर खाली आती है परन्तु यह अपवाद है कि इसे ताली से भी प्रारम्भ करते हैं। अतः इसे ताली से प्रारम्भ करने पर रूपक ताल में खाली नहीं आती है। रूपक मात्रा की प्रथम ताल पर खाली होती है परन्तु मान्यतानुसार यदि इसे ताली से प्रारम्भ करेंगे तो इस ताल में खाली नहीं आयेगी व रूपक ताल में प्रथम मात्रा पर खाली, 5 वीं और 7 वीं मात्रा पर ताली आती है परन्तु यदि इसे ताली से प्रारम्भ करेंगे तो प्रथम मात्रा पर ताली, 5 वीं व 7 वीं मात्रा पर ताली ही आयेगी। अतः खाली का स्थान पूरी पूरी ताल में कहीं नहीं होगा।

1(f) दादरा ताल में लग्गी बजाई जाती है। इस ताल में 6 मात्रा होती हैं। पहली मात्रा पर ताली ताली तथा 5 वीं मात्रा पर खाली आती है।

1 (a) तीनताल में बेदम तिहाई नहीं होती है। इस ताल में 16 मात्रा होती हैं, 4 विभाग होते हैं तथा 1, 5, 13 मात्रा पर ताली और 9 वीं पर खाली होती है।

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code A310102T

1(g) दीपचन्दी में ताल में बेदम तिहाई नहीं होती है।

1(h) तबले में 6 घराने होते हैं:—

1) दिल्ली घराना
2) लखनऊ घराना
3) फर्रुखाबाद घराना
4) पंजाब घराना
5) अजराड़ा घराना
6) बनारस घराना

1(i) दस अवनद्ध वाद्यों के नाम—

1) तबला
2) ढोलक
3) पखावज
4) ढोल
5) नक्कारा
6) डुम डुबी
7) कोंगो
8) बोंगो
9) डमरू
10) ड्रम

Paper Code
A 3 1 0 1 0 2 T

11

1(g) पं किशन महाराज के गुरू का नाम पं हरि महाराज जी था।

Paper Code

12

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

13

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

X

Paper Code

Paper Code

16

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

17

Paper Code

18

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

19

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

20

Paper Code

21

Paper Code

22

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

23

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

24

X